

न्यूज़ टुडे

सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश ने कहा कि "सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश-केंद्रित छवि को बदलने का समय आ गया है"

सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को और अधिक लोकतांत्रिक ढंग से कार्य करना चाहिए, जैसा कि देश के हाई कोर्ट्स समितियों और प्रशासनिक निकायों के माध्यम से करते हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) का कद/ ओहदा (केस लॉ: राजस्थान राज्य बनाम प्रकाश चंद वाद)

- ▶ भारत का मुख्य न्यायाधीश भारतीय न्यायपालिका में सर्वोच्च रैंक का अधिकारी होता है। एक न्यायाधीश के रूप में CJI का ओहदा 'प्राइमस इंटर पैरिस' ('बराबरी वालों में प्रथम अर्थात् फर्स्ट अमंग इक्वल्स') जैसा होता है।
- ▶ अपने अन्य कर्तव्यों एवं दायित्वों के निर्वहन के दौरान, CJI की स्थिति 'सुई जेनेरिस' की तरह होती है - अर्थात् CJI की स्थिति 'अपने आप में विशिष्ट और अद्वितीय' मानी जाती है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश के पास "अनुपातहीन/ असमान" शक्ति

- ▶ मास्टर ऑफ द रोस्टर: CJI के पास पीठ का गठन करने और मामलों को आवंटित करने का विशेषाधिकार होता है, जो न्यायिक निर्णयों की दिशा को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। {केस लॉ: शांति भूषण बनाम भारत का सुप्रीम कोर्ट (2018) वाद}
- ▶ संविधान पीठ की नियुक्ति: CJI अक्सर संविधान पीठ (Constitutional Benches) से जुड़े मामलों में स्वयं को शामिल करता है। इस प्रकार वह प्रमुख निर्णयों को नियंत्रित करता है।
- ⊕ उदाहरण के लिए: संविधान पीठों के मामलों में मुख्य न्यायाधीश (CJI) का निर्णय आम तौर पर बहुमत के साथ होता है। 1950 से अब तक, केवल 13 बार ऐसा हुआ है कि किसी CJI ने संविधान पीठ के मामलों में असहमति जताई है।
- ▶ केस लिस्टिंग पर नियंत्रण: CJI के पास अप्रत्यक्ष रूप से पीठ के गठन को रोकने की शक्ति होती है, जिससे किसी मामले की सुनवाई अनिश्चितकाल तक टाली जा सकती है। यह विवादास्पद मामलों में निर्णय को लंबे समय तक टालने का माध्यम बन सकता है, जिससे समय पर न्याय मिलने पर असर पड़ता है।
- ▶ कोर्ट और रजिस्ट्री की कार्यप्रणाली निर्धारित करने की प्रशासनिक शक्ति विशेष रूप से भारत के मुख्य न्यायाधीश के पास होती है।

सुप्रीम कोर्ट को लोकतांत्रिक बनाने के लिए उठाए गए कदम

- ▶ न्यायाधीशों के रोस्टर को सार्वजनिक करना (2018): वर्ष 2018 में केस आवंटन को लेकर उठी चिंताओं के बाद तत्कालीन CJI ने न्यायाधीशों के रोस्टर को सार्वजनिक किया और विषय-आधारित रोस्टर प्रणाली की शुरुआत की।
- ▶ CJI को 'सार्वजनिक प्राधिकरण' घोषित किया गया (2019): पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने RTI अधिनियम के तहत CJI के कार्यालय को 'सार्वजनिक प्राधिकरण' घोषित किया (सुभाष चंद्र अग्रवाल वाद)।
- ▶ न्यायाधीशों की संपत्ति को सार्वजनिक करना: सुप्रीम कोर्ट में अपनी वेबसाइट पर न्यायाधीशों की संपत्ति को सार्वजनिक करना अनिवार्य कर दिया है।
- ▶ न्यायिक नियुक्तियों में पारदर्शिता (2025): सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के लिए न्यायिक नियुक्ति की प्रक्रिया को अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया, जिससे जन जागरूकता को बढ़ावा मिला है।

केरल ने अपने तट के करीब कंटेनर जहाज के पलटने के बाद आपातकाल की घोषणा की

भारतीय तटरक्षक बल ने केरल तट पर संभावित पारिस्थितिकीय संकट को लेकर चिंता व्यक्त की है, क्योंकि लाइबेरियाई जहाज से तेल का रिसाव हो रहा है और उसमें कैल्शियम कार्बाइड जैसे खतरनाक रसायन मौजूद हैं।

- ▶ कैल्शियम कार्बाइड एक विषैला रसायन है जो समुद्री जल के साथ तीव्र प्रतिक्रिया करके अत्यधिक ज्वलनशील एसिटिलीन गैस बनाता है।

तेल रिसाव (Oil spill) क्या है?

- ▶ परिभाषा: तेल रिसाव वह स्थिति है जब मानवीय गतिविधियों के परिणामस्वरूप तरल पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन समुद्री या अन्य प्राकृतिक परिवेश में फैल जाते हैं।
- ▶ स्रोत: टैंकर, अपतटीय प्लेटफॉर्म, ड्रिलिंग रिग या तेल कुएँ आदि से कच्चे तेल, डीजल, पेट्रोलियम का रिसाव, आदि।
- ▶ प्रभाव:

- ⊕ तेल से शैवाल विषाक्त हो जाते हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला बाधित होती है और झींगा/ क्रस्टेशियन की संख्या कम हो जाती है।
- ⊕ मत्स्य पालन पर आश्रित घरों की आजीविका खतरे में पड़ जाती है। इसके अलावा, व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण मछलियां प्रदूषण के कारण खाने योग्य नहीं रह जाती हैं।
- ⊕ मछली के लार्वा और समुद्री सतह के निकट तैरने वाले जीव प्रभावित होते हैं।
- ⊕ टार के कण समुद्र के तल पर बसे जीवों, जैसे- सीप और शंख आदि, को नुकसान पहुंचाते हैं।

तेल रिसाव की सफाई के लिए प्रमुख तकनीकें

- ▶ बायोरेमेडिएशन: इसमें द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (TERI) द्वारा विकसित दो प्रमुख विधियां- आयलजैपर और ऑयलिवोरस-एस शामिल हैं। इनके तहत हानिकारक हाइड्रोकार्बन को हानिरहित कार्बन डाइऑक्साइड और जल में बदलने के लिए बैक्टीरिया का उपयोग किया जाता है।
- ▶ सोरबेंट्स: इसका प्रमुख उदाहरण मिल्कवीड पौधे के रेशे हैं, जो आमतौर पर राजस्थान में पाए जाते हैं। इस पौधे का इस्तेमाल सोरबेंट सामग्री के रूप में किया जाता है।
- ▶ ऑयल बूम: ऑयल बूम को ऐसे डिज़ाइन किया जाता है कि वे तेल को एक जगह पर घेर सकें और उसे फैलने से रोक सकें। ये दिखने में लम्बी, तैरती हुई बाड़ जैसी होती हैं जिनका स्कर्ट (या पानी में तैरने वाली दीवार) पानी के अंदर लटकती है।
- ▶ स्किमर्स: ये ऐसी मशीनें होती हैं जो पानी की सतह से तेल को खुरच कर हटाती हैं। वे पहले तेल को एक जगह केंद्रित करती हैं और बाद में उसे कुशलता से स्किम (हटा) कर देती हैं।

तेल रिसाव पर प्रमुख फ्रेमवर्क

(समुद्री तेल प्रदूषण नियंत्रण के लिए विनियामकीय व्यवस्था)

भारत



मर्चेंट शिपिंग अधिनियम (1958)

- जहाजटानी को नियंत्रित करता है।
- प्रदूषण नियंत्रण संबंधी प्रावधान शामिल हैं।
- समग्र समुद्री प्रशासन के लिए MARPOL कन्वेंशन को अपनाता है।



राष्ट्रीय तेल रिसाव आपदा आकस्मिक योजना (1996)

- भारतीय तटरक्षक बल एक नोडल एजेंसी के रूप में भारत के समुद्री क्षेत्रों में तेल रिसाव से जुड़ी प्रतिक्रिया का समन्वय करता है।

विश्व



MARPOL कन्वेंशन (1973)

- जहाजों से समुद्री प्रदूषण को रोकने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता।
- तेल प्रदूषण की टोकथाम और नियंत्रण के लिए विशेष परिशिष्ट शामिल हैं।



बंकर कन्वेंशन (2001)

- जहाज मालिकों को बंकर तेल प्रदूषण के लिए उत्तरदायी ठहराता है।
- पीड़ितों के लिए पूर्ण मुआवजा सुनिश्चित करता है।
- अनिवार्य बीमा कवरेज को आवश्यक बनाता है।

भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की हालिया वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, भारत जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

भारत की इस आर्थिक उपलब्धि के मुख्य कारक:

संरचनात्मक कारक:

- शहरीकरण और लोगों की बढ़ती आकांक्षाएं: इनके कारण प्रति व्यक्ति आय और जीवन-शैली से संबंधित दैनिक उपभोग में वृद्धि हो रही है।
- जनसांख्यिकीय लाभांश: भारतीयों की वर्तमान औसत आय लगभग 29 वर्ष है।
- घरेलू मांग में वृद्धि: निजी उपभोग, भारत की GDP में लगभग 70% का योगदान देता है, आदि।

नीतिगत कारक:

- कराधान और व्यापार से संबंधित सुधार: जैसे - वस्तु एवं सेवा कर (GST), इंफ्लेक्सी एंड बैंकरप्सी कोड (IBC), कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती, आदि।
- अवसंरचना निर्माण पर बल देना: जैसे - राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन, पी.एम. गति शक्ति, आदि।
- आत्मनिर्भर भारत, उत्पादन-से-सम्बद्ध प्रोत्साहन योजना, आदि जैसी प्रमुख नीतिगत पहलें।

तकनीकी कारक:

- डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर: जैसे- UPI, जैम ट्रिनिटी, आदि।
- भारतीय आई.टी., सॉफ्टवेयर निर्यात और परामर्श सेवाओं के लिए मजबूत वैश्विक मांग, आदि।

बाह्य और वैश्विक कारक: FDI अंतर्वाह में वृद्धि तथा 'चाइना प्लस वन' और सप्लाई चेन रेजिलिएंस इनिशिएटिव जैसी रणनीतियों के जरिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का पुनर्संतुलन, आदि।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भविष्य की संभावनाएं

भारत अगले 2.5 से 3 वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, जिसके लिए निम्नलिखित प्रमुख कारक उत्तरदायी हैं:

- एनर्जी ट्रांजिशन: नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में तीव्र वृद्धि (2030 तक 500 GW का लक्ष्य) और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) जैसे वैश्विक मंचों पर भारत की नेतृत्वकारी भूमिका इसे हरित विकास के अग्रणी देश के रूप में स्थापित करती है।
- विनियामकीय स्थिरता: बैंकिंग क्षेत्र में सुधार (जैसे- बैंक पुनर्पूजीकरण) और RBI जैसे मजबूत विनियामक संस्थान की मौजूदगी भारत की समग्र आर्थिक स्थिरता को मजबूती प्रदान करती है।



जापान को पीछे छोड़ भारत बना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था



स्रोत: वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (IMF)

भारत-WHO ने पारंपरिक चिकित्सा पर एक ऐतिहासिक समझौते के माध्यम से 'आयुष' को विश्व स्तर पर मुख्यधारा में लाने के लिए भागीदारी की

यह समझौता इंटरनेशनल क्लासिफिकेशन ऑफ हेल्थ इंटरवेंशन (ICHI) के तहत एक समर्पित पारंपरिक चिकित्सा मॉड्यूल की शुरुआत का प्रतीक है।

- ICHI के तहत यह नया पारंपरिक चिकित्सा मॉड्यूल आयुर्वेद, योग, यूनानी और सिद्ध प्रणालियों को वैश्विक मान्यता प्रदान करता है। साथ ही, यह मॉड्यूल इनसे जुड़ी चिकित्सा पद्धतियों, जैसे- पंचकर्म और योग, को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त वैज्ञानिक शब्दावली में मानकीकृत करता है।

इंटरनेशनल क्लासिफिकेशन ऑफ हेल्थ इंटरवेंशन (ICHI) के बारे में

- परिभाषा: ICHI एक सामान्य साधन है, जिसका उपयोग चिकित्सकीय विश्लेषण एवं आंकड़ों के अध्ययन के लिए स्वास्थ्य से जुड़े उपायों की रिपोर्टिंग और मूल्यांकन में किया जाता है। यह WHO के ICD-11 (इन्फोग्राफिक देखें) का पूरक है।
- हेल्थ इंटरवेंशन: यह किसी व्यक्ति या आबादी समूह के लिए, उसके साथ या उसकी ओर से किया गया एक ऐसा कार्य होता है जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य, काम-काज या स्वास्थ्य स्थितियों का आकलन करना, उसमें सुधार एवं उसका रखरखाव, प्रचार आदि करना है।

- विकास: इसका विकास विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और WHO फैमिली ऑफ इंटरनेशनल क्लासिफिकेशंस (WHO-FIC) द्वारा किया गया है।

- ICHI में स्वास्थ्य प्रणाली के सभी क्षेत्र शामिल: जैसे- सक्रिय देखभाल सेवा, मानसिक स्वास्थ्य, प्राथमिक देखभाल, पुनर्वास, रोकथाम, सार्वजनिक स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा, आदि।

ICHI के तहत समर्पित पारंपरिक चिकित्सा मॉड्यूल से कई लाभ प्राप्त होते हैं:

- आयुष सेवाओं के लिए पारदर्शी बिलिंग और उचित मूल्य निर्धारण।
- स्वास्थ्य बीमा कवरेज में आयुष उपचारों का सुचारू एकीकरण।
- बेहतर अस्पताल प्रबंधन, नैदानिक दस्तावेजीकरण और स्वास्थ्य अनुसंधान।
- आयुष चिकित्सा पद्धति तक अधिक वैश्विक पहुंच।

पारंपरिक चिकित्सा

TM-2 मॉड्यूल एकीकरण

पारंपरिक चिकित्सा वर्गीकरण के लिए आयुष मंत्रालय और WHO का सहयोग

कवर की गई प्रणालियां:



आयुर्वेद - भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियां



सिद्ध - पारंपरिक तमिल चिकित्सा



यूनानी - ग्रीको-अरबी चिकित्सा

ग्लोबल हेल्थ क्लासिफिकेशन स्टैंडर्ड | विश्व स्वास्थ्य संगठन

ICD-11

रोगों का अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण, 11वां संशोधन



परिभाषा और उद्देश्य

ICD-11 एक वैश्विक मानक प्रणाली है, जिसका उपयोग मृत्यु और बीमारी से संबंधित आंकड़ों को व्यवस्थित रूप से दर्ज करने, रिपोर्ट करने, विश्लेषित करने, व्याख्या करने और देशों के बीच उनकी तुलना करने के लिए किया जाता है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना और देशों को अपने प्रमुख स्वास्थ्य मुद्दों की पहचान एक अद्यतन और चिकित्सकीय रूप से सटीक वर्गीकरण प्रणाली के माध्यम से करने में सहायता प्रदान करना है।

अंगीकरण के लिए समय-सीमा: ICD-11 को 72वीं विश्व स्वास्थ्य सभा द्वारा 2019 में अपनाया गया था और 1 जनवरी, 2022 से यह प्रभावी हुआ।



मुख्य आंकड़े

17K

नैदानिक श्रेणियां

100K+

चिकित्सा नैदानिक सूचकांक शब्दावल्यां

पहला पूर्णतः इलेक्ट्रॉनिक ICD पूर्ण डिजिटल पहुंच और एकीकरण

प्रधान मंत्री ने कहा है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र, आसियान के साथ रणनीतिक व्यापार के लिए सेतु और प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है

प्रधान मंत्री ने पूर्वोत्तर भारत की रणनीतिक अवस्थिति के महत्व को रेखांकित करते हुए, इस क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक नीतिगत रूपरेखा के रूप में ईस्ट/EAST (एम्मावर, एक्ट, स्ट्रेथ और ट्रांसफॉर्म) विजन प्रस्तुत किया है।

पूर्वोत्तर भारत का रणनीतिक महत्व

- ▶ **क्षेत्रीय कनेक्टिविटी:** पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत की एक ईस्ट पॉलिसी को मजबूत करते हुए दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए एक गेटवे (द्वार) के रूप में काम करता है।
 - ⊕ उदाहरण के लिए, भारत-म्यांमार-थाईलैंड लिपक्षीय राजमार्ग और कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट जैसी प्रमुख परियोजनाएं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ा रही हैं।
- ▶ **आर्थिक एकीकरण:** अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग और असम में नया सेमीकंडक्टर प्लांट जैसी स्थानीय अवसंरचना परियोजनाएं तेजी से विकसित हो रही हैं। इन पहलों के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत-आसियान व्यापार को अगले दशक में वर्तमान 125 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 200 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
- ▶ **सुरक्षा:** पूर्वोत्तर भारत के राज्यों की सीमा चीन, बांग्लादेश, म्यांमार और भूटान से लगती है, जो इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का फ्रंटलाइन क्षेत्र बनाता है।
 - ⊕ उदाहरण के लिए, सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र है।
- ▶ **अन्य:** प्रधान मंत्री ने पूर्वोत्तर के आठ राज्यों को "अष्ट लक्ष्मी" (देवी लक्ष्मी के आठ रूप) कहा है। साथ ही, उन्होंने इस क्षेत्र को जैव-अर्थव्यवस्था, बांस, चाय उत्पादन, पेट्रोलियम, खेल और इको-पर्यटन जैसे कुछ क्षेत्रों के लिए एक उभरता हुआ केंद्र भी कहा है।

पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए प्रमुख क्षेत्रीय पहल

- ▶ **बिम्स्टेक (BIMSTEC):** 1997 में बैंकॉक घोषणा-पत्र के तहत स्थापित यह संगठन पूर्वोत्तर भारत को बांग्लादेश, म्यांमार और थाईलैंड जैसे पड़ोसी देशों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाता है।
- ▶ **मेकांग-गंगा सहयोग (MGC):** इसे वर्ष 2000 में शुरू किया गया था। यह पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा आदि के क्षेत्र में सहयोग के लिए 6 देशों - भारत, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम - की एक पहल है।
- ▶ **बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल (BBIN) मोटर वाहन समझौता:** इस समझौते पर 2015 में हस्ताक्षर किए गए थे। यह पूर्वोत्तर भारत समेत क्षेत्र में निर्बाध सीमा-पार परिवहन और मजबूत क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं के विकास को बढ़ावा देता है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने बताया कि केरल में मानसून समय से पहले पहुंच गया है

IMD ने बताया कि इस वर्ष केरल में मानसून का आगमन सामान्य तिथि से आठ दिन पहले ही हो गया है।

- ▶ सामान्य रूप से हर साल दक्षिण-पश्चिम मानसून 1 जून के आसपास केरल में पहुंचता है। इससे पहले मानसून का इतना पहले आगमन वर्ष 2009 में हुआ था।
- ▶ मानसून के शीघ्र आगमन के लिए जिम्मेदार कारक
 - ▶ **मेडन-जूलियन ऑसीलेशन (MJO):** यह उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में वायुमंडलीय और महासागरीय प्रक्रियाओं की एक संयुक्त परिघटना है। यह बादल और पवनों के पैटर्न को मजबूती प्रदान करती है, जिससे समय से पहले वर्षा हेतु अनुकूल दशाएं निर्मित होती हैं।
 - ▶ **मस्कारेने हाई (Mascarene High):** दक्षिणी हिंद महासागर में मस्कारेने द्वीप समूह के निकट उच्च दबाव वाली प्रणाली भारत की ओर मानसून के प्रवाह को तेजी प्रदान करती है।
 - ▶ **संवहन (Convection):** वायुमंडल में ऊष्मा और नमी के ऊर्ध्वार प्रवाह में वृद्धि के कारण संवहन गतिविधियां तेज होती हैं, जिससे अधिक वर्षा होती है।
 - ▶ **सोमाली जेट (Somali jet):** यह मॉरीशस और उत्तरी मेडागास्कर के पास उत्पन्न होने वाली एक निम्न-स्तरीय, क्रॉस-इक्वेटोरियल पवन प्रवाह है। यह अरब सागर के ऊपर मानसूनी पवनों को मजबूती प्रदान करती है।
 - ▶ **ताप जनित निम्न दाब (Heat-low):** अरब सागर के आसपास महाद्वीप पर ताप जनित प्रबल निम्न दाब (दाब का विचलन सामान्य से कम) के कारण एक उथला (धरातल के नजदीक) निम्न-दाब वाला क्षेत्र निर्मित हो जाता है। यह क्षेत्र एक सक्शन डिवाइस के रूप में कार्य करता है, तथा मानसून गर्त के साथ-साथ आर्द्र पवनों को अपनी ओर खींचता है, और भारत में वर्षा की मात्रा को बढ़ाता है।
 - ▶ **मानसून गर्त (Monsoon trough):** यह एक पट्टी के रूप में मौजूद निम्न दाब वाला क्षेत्र है, जो ताप जनित निम्न दाब के क्षेत्र से लेकर उत्तरी बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ है। इसके दक्षिण की ओर खिसकने से पूरे भारत में सक्रिय मानसून की स्थिति बनती है।

IMD के दिशा-निर्देशों के अनुसार, मानसून के समय से पहले आगमन की घोषणा करने के लिए आवश्यक मानदंड

- ▶ वर्षा: अगर 14 सूचीबद्ध स्टेशनों में से 60% (जैसे- मिनिकांय, अमीनी, तिरुवनंतपुरम, आदि) में लगातार दो दिनों तक 2.5 मि.मी. या उससे अधिक वर्षा होती है।
- ▶ पवन क्षेत्र: पछुआ पवनों का लंबवत विस्तार 600 hPa (हेक्टोपास्कल) तक और क्षेत्रीय वायु गति 15-20 Kts (नॉट) की सीमा में 925 hPa पर बनी रहनी चाहिए।
 - ⊕ पछुआ पवनें उत्तरी और दक्षिणी दोनों गोलार्धों में 30 से 60 डिग्री अक्षांशों पर पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर बहती हैं।
- ▶ आउटगोइंग लॉन्गवेव रेडिएशन (OLR): उपग्रह-आधारित (INSAT) OLR मान 200 वॉट प्रति वर्ग मीटर से नीचे होना चाहिए।
 - ⊕ OLR वह माप है जो पृथ्वी की सतह, महासागरों और वायुमंडल से अंतरिक्ष में उत्सर्जित होने वाली ऊर्जा की मात्रा को दर्शाता है।

अन्य सुर्खियां

नीति आयोग की शासी परिषद (Governing Council NITI Aayog)

हाल ही में, प्रधान मंत्री ने नीति आयोग के शासी परिषद की 10वीं बैठक की अध्यक्षता की।

- ▶ नीति आयोग एक सरकारी सलाहकार निकाय या थिंक टैंक है। इसका गठन 1 जनवरी, 2015 को केंद्रीय मंत्रिमंडल के एक प्रस्ताव के माध्यम से किया गया था। यह कोई संवैधानिक या वैधानिक संस्था नहीं है।

शासी परिषद (Governing Council) के बारे में

- ▶ सदस्य: भारत के प्रधान मंत्री (अध्यक्ष); सभी राज्यों और विधान-मंडल वाले केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री; अन्य केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल, इत्यादि।
- ▶ उत्पत्ति: पहली बार 2015 में गठित और 2021 में पुनर्गठित।
- ▶ उद्देश्य: सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय विकास एजेंडे के त्वरित क्रियान्वयन के लिए एक ऐसा मंच उपलब्ध कराना जहाँ अंतर-राज्यीय, अंतर-विभागीय और केंद्र-राज्य से जुड़े मुद्दों पर समन्वयपूर्वक विचार-विमर्श किया जा सके।

सेमी-ट्रांसपेरेंट पेट्रोव्काइट सोलर सेल

IIT बॉम्बे के शोधकर्ताओं ने एक सेमी-ट्रांसपेरेंट पेट्रोव्काइट सोलर सेल (PSC) विकसित किया है। यह पारंपरिक सोलर सेल की तुलना में 25-30% अधिक दक्षता प्रदान सकता है और लागत को लगभग आधा कर सकता है।

सेमी-ट्रांसपेरेंट पेट्रोव्काइट सोलर सेल के बारे में

- ▶ संरचना: इसे पारंपरिक सिलिकॉन-आधारित सोलर सेल की ऊपरी परत में लगाया जाता है, जिससे एक 4-टर्मिनल (4T) टैंडम संरचना का निर्माण होता है।
- ▶ प्रयुक्त सामग्री और प्रौद्योगिकी: इसमें नीचे के सब-सेल में पारंपरिक सिलिकॉन प्रौद्योगिकी, जबकि ऊपर के सब-सेल में स्वदेशी रूप से विकसित हैलाइड पेट्रोव्काइट सेमीकंडक्टर का उपयोग किया गया है।
 - ⊕ यह उच्च प्रकाश अवशोषण और प्रभावी ऊर्जा रूपांतरण को संभव बनाता है।
- ▶ लाभ: पेट्रोव्काइट को स्थानीय रूप से तैयार किया जा सकता है और इसका जीवनकाल लंबा होता है। यह भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील कच्चे माल (चीन द्वारा नियंत्रित कच्चे माल के विपरीत) पर निर्भर नहीं है।



मोरिंगा

विशेषज्ञों का कहना है कि मोरिंगा में भरपूर पोषण और आर्थिक संभावनाएं होने के बावजूद तमिलनाडु के किसान अब तक इसकी व्यावसायिक क्षमताओं का समुचित दोहन नहीं कर सके हैं।

मोरिंगा (Moringa oleifera) के बारे में

- ▶ उत्पत्ति और वितरण: यह भारत की स्थानिक प्रजाति है। मोरिंगा को अब एशिया, अफ्रीका और मध्य अमेरिका के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में व्यापक रूप से उगाया जाता है।
- ▶ उपनाम: व्यापक उपयोग, उच्च पोषण मूल्य और औषधीय गुणों के कारण इसे अक्सर “चमत्कारी वृक्ष” कहा जाता है।
- ▶ इसे उगाने हेतु आदर्श दशाएं
 - ⊕ मृदा: 6.5 से 8 pH वाली गहरी रेतीली दोमट मृदा।
 - ⊕ तापमान: इसके विकास के लिए 25-30 डिग्री सेल्सियस का तापमान सबसे अच्छा होता है।



Arhgap36

अमेरिका और जापान के शोधकर्ताओं ने यह पता लगाया है कि बिल्लियों के अनोखे नारंगी रंग के फर के पीछे Arhgap36 नामक जीन जिम्मेदार है।

- ▶ यह खोज बिल्लियों के स्वास्थ्य, व्यवहार और आनुवंशिकी पर आगे के शोध के लिए नए रास्ते खोलती है।

Arhgap36 जीन के बारे में

- ▶ यह बिल्लियों और मनुष्यों सहित स्तनधारियों में X गुणसूत्र पर पाया जाता है।
- ▶ कार्य: यह विशेष रूप से पिगमेंटेशन से संबंधित प्रक्रियाओं सहित कोशिकीय प्रक्रियाओं को विनियमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही, यह त्वचा, मस्तिष्क और हार्मोन ग्रंथियों जैसे ऊतकों में सक्रिय रहता है।
- ⊕ नारंगी रंग की बिल्लियों के DNA अनुक्रम में इस जीन का एक भाग नहीं होता, जिसके कारण यह हल्के रंग के पिगमेंट्स के उत्पादन को उत्तेजित करता है।



रोटेटिंग डेटोनेशन इंजन

चीन के वैज्ञानिकों ने कथित तौर पर एक रोटेटिंग डेटोनेशन इंजन का परीक्षण किया है, जो वाहनों को ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक, यानी हाइपरसोनिक गति से संचालित करने में सक्षम है।

रोटेटिंग डेटोनेशन इंजन के बारे में

- ▶ यह बल्य के आकार का एक इंजन है। इसमें डेटोनेशन तरंग वृत्ताकार रूप में घूमती रहती है तथा ईंधन और ऑक्सीकारक के मिश्रण का लगातार दहन होता रहता है।
- ▶ इस प्रकार का दहन दबाव को बढ़ाता है और सामान्य गैस टरबाइन इंजन की तुलना में बेहतर प्रोपल्शन दक्षता प्रदान करता है।
- ▶ रोटेटिंग डेटोनेशन इंजन काफी कॉम्पैक्ट होते हैं और उच्च आवृत्तियों पर काम करते हैं। साथ ही, इनमें कोई भी मूवेबल पार्ट्स नहीं होते हैं, जिसके चलते ये पारंपरिक इंजनों की तुलना में अधिक दक्ष और सरल हो जाते हैं।
- ▶ इनका उपयोग वायु से जमीन, वायु से वायु और सतह से सतह आधारित हथियारों सहित कई सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।



नेशनल स्पोर्ट्स रॉपवेज सिस्टम पोर्टल

केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय देशभर में प्रतिभा पहचान अभियान शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके तहत कोई भी नागरिक किसी खिलाड़ी के प्रदर्शन का वीडियो NSRS पोर्टल पर अपलोड कर सकता है।

NSRS पोर्टल के बारे में

- ▶ यह एक डिजिटल प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS) है। इसका संचालन केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के अधीन भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) द्वारा किया जाता है।
- ⊕ यह ‘खेलो इंडिया - राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम योजना’ का हिस्सा है।
- ▶ यह पोर्टल खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल वैज्ञानिकों, प्रशिक्षण केंद्रों, खेल महासंघों, आदि जैसे प्रमुख हितधारकों के लिए एक संपूर्ण डिजिटल समाधान प्रदान करता है।
- ▶ इस पोर्टल पर खिलाड़ी, कोच और अकादमी पंजीकरण के बाद एक विशिष्ट संख्या (खेलो इंडिया आईडी- KID) प्राप्त करते हैं।



करणी माता मंदिर

प्रधान मंत्री ने दर्शन करने के उद्देश्य से राजस्थान स्थित करणी माता मंदिर की यात्रा की।

करणी माता मंदिर के बारे में

- ▶ यह मंदिर राजस्थान के बीकानेर जिले में स्थित है।
- ▶ यह करणी माता को समर्पित है, जिन्हें मां दुर्गा का अवतार माना जाता है।
- ▶ स्थापना: इस मंदिर का निर्माण राव जैतसी ने बीकानेर के राजा की मुगल शासक कामरान पर विजय की याद में करवाया था।
- ▶ धार्मिक संप्रदाय: यह मंदिर शाक्त संप्रदाय से संबंधित है।
- ▶ अनोखी विशेषता: यह दुनिया का एकमात्र मंदिर है जहां हजारों चूहे खुलेआम घूमते हैं।
- ⊕ इतनी बड़ी संख्या में चूहों की मौजूदगी के बावजूद यहां कभी प्लेग नहीं फैला।



ओपन एकरेज लाइसेंसिंग नीति (OALP)

ONGC ने मुंबई अपतटीय बेसिन में तेल व गैस की आशाजनक खोज की है।

- ▶ इन खोजों का नाम सूर्यमणि और वज्रमणि रखा गया है, जो OALP व्यवस्था के तहत आवंटित ब्लॉकों में की गई हैं।
 - ▶ मुंबई अपतटीय बेसिन भारत के पश्चिमी तट से लगभग 165 कि.मी. दूर अरब सागर में स्थित है।
- ओपन एकरेज लाइसेंसिंग नीति (OALP) के बारे में
- ▶ उत्पत्ति: इसे 2017 में हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति (HELP) के एक भाग के रूप में प्रस्तुत किया गया था।
 - ▶ मंत्रालय: पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
 - ▶ उद्देश्य: तेल व गैस अन्वेषण और उत्पादन गतिविधियों में तेजी लाना।
 - ⊕ यह पहल कंपनियों को यह सुविधा देती है कि वे सरकार द्वारा औपचारिक बोली प्रक्रिया की प्रतीक्षा किए बिना स्वयं उपयुक्त अन्वेषण ब्लॉकों का चयन कर सकें और कार्य आरंभ कर सकें।

सुर्खियों में रहे व्यक्तित्व



करतार सिंह सराभा (1896 - 1915)

प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी करतार सिंह सराभा को उनकी जयंती (24 मई) पर देश ने याद किया।

करतार सिंह सराभा के बारे में

- ▶ उनका जन्म लुधियाना (पंजाब) के सराभा गांव में हुआ था। वे एक अग्रणी भारतीय क्रांतिकारी थे।

प्रमुख योगदान

- ▶ उन्होंने मात्र 15 वर्ष की आयु में ही गदर पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। वे इसके सबसे सक्रिय सदस्यों में से एक थे। गदर पार्टी की स्थापना 1913 में ओरेगन (अमेरिका) में ब्रिटिश शासन को खत्म करने के उद्देश्य से की गई थी।
- ⊕ उन्होंने गदर न्यूज़पेपर का पंजाबी संस्करण निकाला।
- ▶ भारत लौटने के बाद उन्होंने भारतीय सैनिकों को विद्रोह के लिए संगठित करने पर ध्यान केंद्रित किया और लुधियाना में एक छोटे स्तर की हथियार निर्माण इकाई शुरू की।
- ▶ उन्हें लाहौर षडयंत्र केस में राजद्रोह का आरोपी बनाकर, 1915 में विष्णु गणेश पिंगले के साथ फांसी दे दी गई।
- ▶ मूल्य: बहादुरी, साहस, सक्रियता, प्रतिबद्धता, आदि।

